C M Y K

www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 165 नागपुर, शुक्रवार, 12 मई 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

सरोगेट मां की आपत्ति पर ईरानी नागरिक को नहीं मिली बेटी

मुंबई

बांबे हाईकोर्ट ने सरोगेट मां की आपत्ति के बाद तीन वर्षीय एक बच्ची को उसके जैविक पिता को सौंपने से इन्कार कर दिया। जैविक पिता ईरान का नागरिक है। सरोगेट मां का आरोप है कि ईरानी नागरिक अच्छे चरित्र वाला इंसान नहीं है।

जस्टिस आरवी मोरे और अनुजा प्रभुदेसाई की पीठ ईरानी नागरिक की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही है। याची ने अदालत से ठाणे पुलिस को उसकी तीन साल की बच्ची का पता लगाने का निर्देश देने की मांग की थी। ईरानी नागरिक ने अर्जी में दावा किया है कि पारिवारिक अदालत द्वारा बच्ची का संरक्षण उसे सौंपने के आदेश के बावजूद सरोगेट मां ने अवैध रूप से बच्ची को उससे दूर कर दिया। याची का कहना है कि बेटी के जन्म के बाद उसने सरोगेट मां से शादी की और बाद में तलाक दे दिया।

अदालत के निर्देश के बाद ठाणे पुलिस ने बीते अप्रैल में सरोगेट मां और बच्ची को कोर्ट में पेश किया था। जस्टिस मोरे ने कहा, हमने याचिकाकर्ता, सरोगेट मां और जांच अधिकारी से बात की। बातचीत में पता चला कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता मुंबई की एक पारिवारिक अदालत द्वारा बच्ची के संरक्षण के दिए आदेश को आधार बना रहा है, वहीं सरोगेट मां का कहना है कि बच्ची उसके पास ही रहने दी जाए क्योंकि याची अच्छे चरित्र का नहीं है। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई 16 जून तय की है।

भरतपुर में मौत की बारात : मैरिज होम की दीवार गिरने से 4 बच्चों सहित दो दर्जन लोगों की मौत

भरतपुर

राजस्थान के भरतपुर जिले में शादी का जश्न उस वक्त मातम में बदल गया जब एक बारात घर की दीवार गिरने से चार बच्चे, 9 महिलाएं समेत दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई और करीब-करीब इतने ही लोग घायल हो गए। बारात जयपुर से आई थी. हादसे के समय घटनास्थल पर करीब 800 लोग मौजूद थे। पुलिस का कहना है कि कई लोगों की मौत भगदड़ में कुचल जाने से भी हुई है। पुलिस ने मैरिज होम के संचालक और प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है। भरतपुर जिले के सेवर रोड स्थित अन्नपूर्णा मैरिज होम में बुधवार को शादी समारोह में बारातियों के खाने-पीने का कार्यक्रम चल रहा था। शाम से वहां तेज हवा चल रही थी और रात 10 बजे के करीब अचानक तेज आंधी आने से मैरिज होम की दीवार गिर गई जिसकी चपेट में कई लोग आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मैरिज होम की दीवार के पास ही खाने के स्टॉल लगाए गए थे। बाराती खाने का आनंद ले रहे थे और इसी दौरान दीवार के गिरने से बड़ी संख्या में लोग इसकी चपेट में आ गए। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मलबे में दबे लोगों को निकाला और उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

कश्मीरी सेना अधिकारी फ़याज़ की हत्या में हिजबुल मुजाहिदीन का हाथ !

इंसास राइफल का इस्तेमाल हुआ

लेफ्टिनेंट फयाज की हत्या करने वाले 6 आतंकियों की हुई पहचान

सुरक्षा एजेंसियों ने लेफ्टिनेंट उमर फयाज की हत्या करने वाले 6 आतंकियों की पहचान कर ली है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, ये आतंकी लश्कर-ए-तैयबा और हिज्बुल मुजाहिद्दीन के हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इन आतंकियों के जल्द ही पकड़ जाने का दावा किया है।

बता दें कि दक्षिण कश्मीर के हरमेन शोपियां में अपनी मौसी के घर शादी की दावत में गए सेना के एक लेफ्टिनेंट उमर फैयाज पर्रे (डाक्टर) को आतंकियों ने अगवा कर शहीद कर दिया। गोलियों से छलनी उसका शव बुधवार की सुबह मिला। पुलिस ने इस वारदात के सिलसिले में एक मामला दर्ज किया और हत्यारे आतंकियों को पकडने के लिए एक तलाशी अभियान चलाया हुआ है।

श्रीनगर

जम्मू कश्मीर पुलिस को संदेह है कि हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े आतंकवादियों ने सेना के युवा कश्मीरी अधिकारी लेफ्टिनेंट उमर फयाज की हत्या की होगी और इस वारदात में पुलिसकर्मियों से छीनी एक इंसास राइफल का इस्तेमाल किया गया होगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार (11 मई) को यह भी कहा कि फयाज के शव पर प्रताड़ना का कोई निशान नहीं था। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक एसजेएम गिलानी ने कहा, हमने प्रारंभिक जांच की है। यह शोपियां में सक्रिय हिजबुल मुजाहिदीन के एक मॉड्यूल (की संलिप्तता) की ओर इशारा करता है। पुलिस को उस स्थान से एक इंसास राइफल और दो खाली कारतूस मिले हैं, जहां शोपियां में फयाज की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।

उन्होंने कहा, दक्षिण कश्मीर में हाल ही में हथियार छीनने की दो घटनाएं हुई हैं। हमारे पास इस बारे में सुराग है कि कुलगाम में हथियार छीनने की घटना को लश्कर आतंकवादियों ने अंजाम दिया जबकि शोपियां अदालत परिसर (दो मई को) में हथियार छीनने की घटना में हिजबुल आतंकवादी शामिल थे। इसलिए यह उन हथियारों में से एक हो सकता है। गिलानी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है लेकिन फयाज के शव पर प्रताड़ना का कोई निशान नहीं है। उन्होंने बताया कि शव परीक्षण करने वाले चिकित्सकों और पुलिस को प्रताड़ना का कोई निशान नहीं मिला।

गौरतलब है कि फयाज यहां से करीब 74 किलोमीटर दूर बाटापुरा में अपने मामा की बेटी की शादी में शरीक होने गए थे, जहां से मंगलवार (9 मई) रात करीब 10 बजे आतंकवादियों ने उन्हें अगवा कर लिया था। गोलियों से छलनी उनका शव बुधवार (10 मई) सुबह मिला। कुलगाम जिला निवासी फयाज पिछले साल दिसंबर में सेना में शामिल हुए थे। सेना ने इस जघन्य आतंकी हरकत को अंजाम देने वालों को न्याय के दायरे में लाने का संकल्प लिया है।

श्रीलंका दौरे पर पीएम मोदी, बोले- मेरी यात्रा मजबूत संबंधों का एक प्रतीक

कोलंबो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गुरुवार से शुरू होने वाली श्रीलंका की उनकी यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक प्रतीक है और यह बौद्ध धर्म की साझा विरासत को सामने लाती है।

अंतरराष्ट्रीय बैसाख दिवस समारोह में भाग लेंगे

इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान वह बौद्ध धर्म के अनुयायियों के सबसे बड़े उत्सव अंतरराष्ट्रीय बैसाख दिवस समारोह में भाग लेंगे व भारतीय सहयोग से बने एक अस्पताल का उद्घाटन करेंगे और भारतीय मूल के तमिल समुदाय को संबोधित करेंगे। इसके अलावा वह कई अन्य कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे।

यात्रा से कुछ ही घंटों पहले फेसबुक पोस्ट में दी जानकारी

उन्होंने श्रीलंका की यात्रा से कुछ ही घंटों पहले फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, यह दो वर्ष में वहां की मेरी दूसरी द्विपक्षीय यात्रा होगी जो हमारे मजबूत संबंध का संकेत है।

मोदी ने लिखा, मेरी यात्रा के दौरान मैं कोलंबो में 12 मई को अंतरराष्ट्रीय बैसाख दिवस समारोह में शिरकत करूंगा जहां मैं बौद्ध धार्मिक नेताओं, विद्वानों और धर्मशास्त्रियों से वार्ता करूंगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना और प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे के साथ इन समारोहों में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है।

मोदी ने कहा, मेरी यात्रा भारत एवं श्रीलंका के बीच सबसे स्थायी संबंधों में से एक बौद्ध धर्म की साझी विरासत को उजागर करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2015 में उनकी पिछली यात्रा में उन्हें सदियों से बौद्ध धर्म के अहम केंद्र और यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल अनुराधापुर जाने का अवसर मिला था।

सिरीसेना, विक्रमसिंघे और अन्य अहम नेताओं के साथ बैठक करेंगे

उन्होंने कहा, इस बार मुझे कैंडी में दलादा मलिगवा पवित्र स्थान पर प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा।

मोदी ने कहा कि उनकी यात्रा की शुरूआत कोलंबो में गंगारामय्या मंदिर स्थित सीमा मलाका से आरंभ होगी जहां वह परंपरागत दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि वह सिरीसेना, विक्रमसिंघे और अन्य अहम नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

मोदी ने कहा, मैं श्रीलंका में डिकोया अस्पताल का भी उद्घाटन करूंगा, जिसे भारत की मदद से बनाया गया है और वह भारतीय मूल के तमिल समुदाय के साथ वार्ता करेंगे।

लापता जस्टिस कर्णन ने सुप्रीम कोर्ट से लगाई गुहार, सजा में राहत की मांग

नई दिल्ली

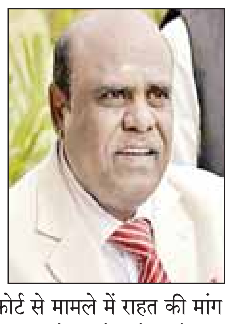

सुप्रीम कोर्ट की अवमानना के मामले में 6 महीने की सजा पाए जस्टिस कर्णन कहां हैं इसका पता अभी तक किसी को नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने वकील के जरिए सुप्रीम कोर्ट से मामले में राहत की मांग की है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जेएस खेहर ने कर्णन की अपील पर विचार की बात कही है। कोर्ट में कर्णन के वकील मैथ्यू नेथुमपारा ने बताया कि अब तक 12 वकील जस्टिस कर्णन का प्रतिनिधित्व करने से इंकार कर चुके हैं।

नेपाल या बांग्लादेश में हैं कर्णन !

जस्टिस कर्णन पिछले कुछ दिनों से गायब हैं, उनके बारे में कोई भी जानकारी नहीं है। खबर के मुताबिक, उनके वकील ने दावा किया है कि कर्णन देश छोड़कर नेपाल या बांग्लादेश चले गए हैं।

कर्णन ने कहा कि जब तक राष्ट्रपति उनसे मुलाकात नहीं करेंगे तब तक वो देश नहीं लौटेंगे। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश सीएस कर्णन को कोर्ट की अवमानना के मामले में 6 महीने की सजा सुनाई है।

20 लाख करोड़ रुपये हो सकता है यूपी का जीएसडीपी

लखनऊ

उत्तरप्रदेश सरकार ने अगर नीति आयोग के ब्लूप्रिंट को लागू किया तो अगले छह साल में प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। ऐसा होने पर न सिर्फ राज्य के लोगों की आय बढ़ेगी बल्कि नौकरियों के अवसर भी पैदा होंगे। माना जा रहा है कि इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए केंद्र की मदद से यूपी सरकार आने वाले दिनों में प्रदेश में वैश्रि्वक निवेशक शिखर सम्मेलन आयोजित कर सकती है।

सूत्रों के मुताबिक नीति आयोग के उपाध्यक्ष अरविंद पानागढ़िया के नेतृत्व में केंद्र के डेढ़ दर्जन आला अधिकारियों की टीम ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष बुधवार को लखनऊ में जो प्रेजेंटेशन दिए हैं उसमें यह अनुमान व्यक्त किया गया है। सूत्रों का कहना है कि राज्य सरकार अगर नीति आयोग के सुझाए सुधारों पर अमल करती है तो प्रदेश की विकास दर तेजी से बढ़ सकती है। प्रदेश की विकास दर में अगर 9 प्रतिशत की भी वृद्धि हुई तो वित्त वर्ष 2023-24 में यूपी का जीएसडीपी 20.42 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। सूत्रों के अनुसार यूपी के जीएसडीपी में वृद्धि का यह अनुमान आधार वर्ष 2004-05 को आधार मानकर 2013-14 की कीमतों पर व्यक्त किया गया है। सूत्रों के मुताबिक वित्त वर्ष 2013-14 में प्रचलित कीमतों पर यूपी का जीएसडीपी 8.63 लाख करोड़ रुपये था जो सालाना 9 प्रतिशत वृद्धि होने पर अगले छह साल में 20.42 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। गौरतलब है कि इसी बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की विकास दर बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। वित्त वर्ष 2016-17 में यूपी की विकास दर सात प्रतिशत के आसपास है। हाल के वर्षो में यूपी की विकास दर देश की विकास दर से नीचे ही रही है। यूपी की प्रति व्यक्ति आय भी देश की प्रति व्यक्ति आय की करीब आधी है।

ऐसे में सूत्रों का मानना है कि नीति आयोग की कार्ययोजना पर अमल करने से राज्य की वृद्धि दर में उछाल आ सकता है। नीति आयोग और यूपी सरकार की इस अहम बैठक के बाद केंद्र और राज्य के अधिकारियों का एक संयुक्त दल कार्यकारी समूह भी बनाना गया है जो 15 दिन के भीतर इस कार्ययोजना के महत्वपूर्ण एक्शन प्वाइंट्स को अंतिम रूप देकर अमल में लाने की योजना पेश करेगा।

इस कार्ययोजना में यूपी में कारोबार के अनुकूल माहौल बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि यूपी में कानून व्यवस्था दुरुस्त कर, श्रम सुधारों, भूमि सुधारों और कारोबार की प्रक्रिया सुगम बनाने पर जोर देना चाहिए। ■ शेष पृष्ठ 2 पर

कश्मीर के राजौरी में सेना की चौकियों पर पाकिस्तान की गोलेबारी

एक महिला की मौत

जम्मू

जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तान की ओर से की गई गोलेबारी में गुरुवार (11 मई) को 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया। गोलीबारी नौशेरा सेक्टर के लाम इलाके में स्थित एक गांव में हुई, जिससे अख्तर बी की मौत हो गई और उसका पति मोहम्मद हनीफ (40) घायल हो गया। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तानी सेना ने कल रात 10 बजकर 40 मिनट से राजौरी जिले के नौशेरा इलाके में नियंत्रण रेखा के पास भारतीय सेना की चौकियों पर छोटे एवं स्वचालित हथियारों से हमला करना शुरू किया।

प्रवक्ता ने बताया कि उन्होंने (पाकिस्तान ने) 82 एमएम और 120 एमएम मोर्टार का इस्तेमाल कर अग्रिम चौकियों एवं असैन्य क्षेत्रों पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, भारतीय सेना मजबूती एवं प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई कर रही है। गोलीबारी अभी जारी है। अप्रैल माह में छह बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया था। संघर्ष विराम का ताजा मामला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ ही दिन पहले एक मई को पाकिस्तान के सीमा कार्य दल ने दो भारतीय जवानों के सिर काट दिए थे। मोर्टार हमलों के बीच पाकिस्तानी विशेष बलों का दल पुंछ स्थित केजी सेक्टर में नियंत्रण रेखा में 250 मीटर तक घुस आया था और उसने दो जवानों के सिर काट दिए थे। गृह मंत्रालय ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान ने 2015 और 2016 में नियंत्रण रेखा के पास रोजाना कम से कम एक बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिनमें 23 सुरक्षा कर्मी शहीद हुए।

चारधाम तक ट्रेन चलाने की मुहिम हुई तेज

नई दिल्ली

हिंदुओं के पवित्र तीर्थ चारधाम की यात्रा को आसान बनाने के लिए रेलवे ने कमर कस ली है। इसके लिए गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ तक एकल ब्रॉड गेज लाइन का अंतिम लोकेशन सर्वे प्रारंभ होने जा रहा है। रेलमंत्री सुरेश प्रभु उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत तथा केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह की उपस्थिति में 13 मई को इस कार्य का शुभारंभ करेंगे।

रेल विकास निगम (आरवीएनएल) को इस फाइनल लोकेशन सर्वे की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसके तहत उत्तराखंड में गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ व केदारनाथ को देहरादून और कर्णप्रयाग होते हुए रेल से जोड़ा जाएगा। चूंकि यह पूरा रूट हिमालय की ऊंची दुर्गम चोटियों से होकर गुजरता है, लिहाजा यहां रेल नेटवर्क का विकास रेलवे के लिए बड़ी चुनौती है। चारों धाम अलग-अलग ऊंचाई तथा स्थानों पर स्थित हैं और इन सबका अपना विशिष्ट धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व है।

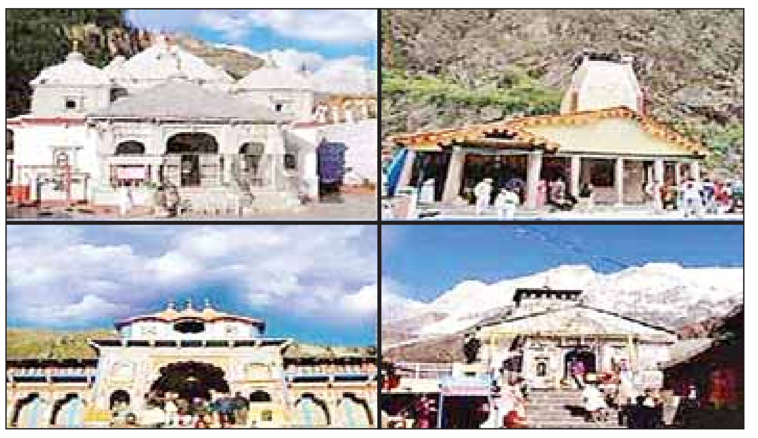

यमुना का उद्गम स्थल यमुनोत्री समुद्र तल से 3293 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। वहीं गंगा के उद्गम स्थल गंगोत्री की समुद्र तल से ऊंचाई 3408 मीटर है। इसी तरह भगवान शिव से संबद्ध केदारनाथ ज्योतिर्लिंग की समुद्रतल से ऊंचाई 3583 मीटर, जबकि भगवान विष्णु से संबद्ध बद्रीनाथ धाम की ऊंचाई केवल 3133 मीटर है। इन चारोंधामों तक पहुंचने के लिए अभी निकटतम रेलवे स्टेशन दोईवाला, ऋषिकेश तथा कर्णप्रयाग हैं, जिनका निर्माण ऋषिकेश व कर्णप्रयाग के बीच 400-825 मीटर की ऊंचाई पर निर्माणाधीन नई रेलवे लाइन के अंतर्गत किया जा रहा है।

आरवीएनएल ने 2014-15 में चारधाम रेल कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट का आकाशीय सर्वेक्षण किया था और अक्टूबर, 2015 में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। इसमें उसने परियोजना का कार्य शुरू करने के लिए दो बिंदु सुझाए थे। एक दोईवाला स्टेशन और दूसरा कर्णप्रयाग स्टेशन। ये दोनो स्टेशन फिलहाल निर्माणाधीन हैं।

गंगोत्री के लिए प्रस्तावित रेल लिंक दोईवाला से प्रारंभ होगा और उत्तरकाशी होते हुए 131 किलोमीटर की दूरी तथा 1270 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मनेरी तक जाएगा।

यमुनोत्री का एलाइनमेंट गंगोत्री लिंक के बीच में वाई आकार का कनेक्शन बनाते हुए उत्तरकाशी से प्रारंभ होगा और 22 किलोमीटर की दूरी तथा 1265 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पलार में जाकर खत्म होगा। केदारनाथ जाने वाली प्रस्तावित रेलवे लाइन प्रस्तावित कर्णप्रयाग स्टेशन से प्रारंभ होकर साईकोट होते हुए 99 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोनप्रयाग में समाप्त होगा, जो समुद्रतल से 1650 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

बद्रीनाथ के लिए प्रस्तावित रेलवे लाइन केदारनाथ वाले उपरोक्त लिंक के बीच साईकोट से वाई आकार में फूटेगी और 75 किलोमीटर की दूरी तथा 1733 मीटर की ऊंचाई पर स्थित जोशीमठ पर जाकर समाप्त होगी।

मध्यप्रदेश: सड़क हादसे में 11 मजदूरों की मौत

सीएम ने किया आर्थिक सहायता का ऐलान

जबलपुर

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के जमुनिया गांव के पास एक मिनी ट्रक के अनियंत्रित होकर पुलिया से दस फीट नीचे गिरकर पलट जाने से इसमें सवार कम से कम 11 श्रमिकों की आज तड़के मौत हो गई और 15 अन्य श्रमिक घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।

पुलिस का बयान

उपपुलिस अधीक्षक (डीएसपी) मनजीत चावला ने कहा, हादसा तड़के एक बजे के आसपास उस वक्त हुआ, जब ये श्रमिक वन विभाग के ट्रक में तेंदू पत्ते तोड़ने के लिए चरगवां जा रहे थे। उन्होंने कहा कि ट्रक चालक ने पुलिया को पार करते वक्त वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक पुलिया से नीचे गिर गया। उन्होंने कहा कि इस घटना में 10 मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी और एक मजदूर ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। चावला ने बताया कि इस हादसे में 15 मजदूर घायल भी हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जबलपुर शासकीय मेडिकल अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है।

सरकार ने दिया आर्थिक सहायता का आश्वासन

जबलपुर के कलेक्टर महेशचंद्र चौधरी ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रूपये तथा गंभीर रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये तथा अस्पताल में भर्ती घायलों को 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। ■ शेष पृष्ठ 2 पर